निकाय चुनाव में भाजपा का दबदबा बढ़ा; कहीं कांग्रेस की वापसी तो कहीं निर्दलीयों के हाथ में सत्ता की चाबी आई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान के नगर निकाय चुनावों के नतीजों ने प्रदेश की सियासत में कई चौंकाने वाले संकेत दिए हैं। विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद निकाय चुनाव में भाजपा ने कई शहरों में अपनी पकड़ बरकरार रखते हुए दबदबा बढ़ाया है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने भी कई जगह वापसी के संकेत दिए हैं। सबसे अहम बात यह रही कि कई निकायों में निर्दलीय पार्षद किंगमेकर बनकर उभरे हैं। वहीं कुछ परिणाम ऐसे भी आए हैं, जिन्होंने दिग्गज नेताओं के राजनीतिक प्रभाव और स्थानीय संगठन की ताकत पर सवाल खड़े किए है।

प्रदेश के 10 नगर निगमों में उदयपुर और भीलवाड़ा में भाजपा का मेयर बनना लगभग तय माना जा रहा है, जबकि अलवर, कोटा और जयपुर में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई है। बीकानेर में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला है। पाली, अजमेर और जोधपुर में बहुमत का गणित रोचक है और यहां निर्दलीयों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इस बार 10 नगर निगमों में भरतपुर में सर्वाधिक 73.68 प्रतिशत मतदान हुआ।

जोधपुर में 71.95, उदयपुर में 69.77 और कोटा में 67.66 प्रतिशत मतदान हुआ। कई शहरों में पिछले चुनाव की तुलना में मतदान बढ़ा और इसके साथ ही पुराने राजनीतिक समीकरण भी बदले।

भरतपुर में 36 निर्दलीय प्रत्याशी जीते

भरतपुर में चुनाव परिणामों ने भाजपा और कांग्रेस दोनों को चौंका दिया हैं। यहां 65 वार्डों वाले नगर निगम में 36 निर्दलीय प्रत्याशी जीते, जबकि भाजपा 20 सीटों के साथ सबसे बड़ी दलगत पार्टी बनी। यहां कांग्रेस को सिर्फ 7 सीटें मिलीं।

बसपा और आरएलपी को एक-एक वार्ड में जीत मिली। ऐसे में भरतपुर में महापौर से लेकर बोर्ड गठन तक निर्दलीय पार्षदों का रुख निर्णायक रहेगा। भाजपा सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद बहुमत के लिए निर्दलीयों का समर्थन जुटाने की स्थिति में है।

वसुंधरा राजे के गढ़ में कांग्रेस की सेंध

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के प्रभाव वाले क्षेत्र झालावाड़ में कांग्रेस का बोर्ड बनने जा रहा है। यह परिणाम भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है, क्योंकि झालावाड़ को लंबे समय से राजे परिवार के मजबूत राजनीतिक प्रभाव वाला क्षेत्र माना जाता रहा है। इसी तरह पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के पुत्र और लोकसभा सांसद

- **वसुंधरा राजे के गढ़, झालावाड़ में कांग्रेस का बोर्ड बना; दुष्यंत सिंह के संसदीय क्षेत्र बारां में ''आप'' को बहुमत**

दुष्यंत सिंह के संसदीय क्षेत्र बारां में आम आदमी पार्टी ने बहुमत हासिल कर चौंकाने वाला प्रदर्शन किया है। प्रदेश की मुख्यधारा की दो पार्टियों भाजपा-कांग्रेस के बीच आप का बहुमत हासिल करना स्थानीय निकाय चुनाव के सबसे अलग परिणामों में शामिल हो गया है।

जोधपुर में निर्दलीयों के भरोसे बोर्ड

जोधपुर में भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला बेहद करीबी रहा। यहां बोर्ड गठन का गणित निर्दलीय पार्षदों पर टिक सकता है। सबसे बड़ा उलटफेर कांग्रेस के शहर जिलाध्यक्ष की हार रहा। उन्हें भाजपा के मेघराज लोहिया ने हराया।

लोहिया पूर्व राज्यमंत्री रह चुके है। जोधपुर में 71.95 प्रतिशत मतदान हुआ था, जो चुनाव में मतदाताओं की मजबूत भागीदारी को दर्शाता है।

पाली-अजमेर में भी निर्दलीय महत्वपूर्ण

पाली और अजमेर में एक दल सबसे बड़ी ताकत के रूप में उभरा है, लेकिन बोर्ड बनाने के लिए बहुमत के आंकड़े तक पहुंचना चुनौती है। ऐसे में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका अहम होगी। अजमेर में पिछली बार भाजपा ने 80 में से 48 वार्ड जीतकर बोर्ड बनाया था।

वहीं पाली में पिछली बार नगर परिषद के चुनाव में भाजपा ने 29 और कांग्रेस ने 22 वार्ड जीते थे। भाजपा ने आठ निर्दलीयों के समर्थन से बोर्ड बनाया था। इस बार नगर निगम बनने के बाद यहां का राजनीतिक गणित और महत्वपूर्ण हो गया है।

बीकानेर में कांग्रेस की बड़ी जीत

बीकानेर में कांग्रेस ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर भाजपा को बड़ा झटका दिया है। उदयपुर और भीलवाड़ा में भाजपा मेयर बनाने की स्थिति में है।

उदयपुर में इस बार 69.77 प्रतिशत मतदान हुआ, जो पिछले चुनाव के 57.81 प्रतिशत के मुकाबले करीब 12 प्रतिशत अधिक है।

कोटा में बदला पुराना समीकरण

कोटा में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। यहां इस बार 67.66 प्रतिशत मतदान हुआ, जो पिछली बार से 1.89 प्रतिशत अधिक है। वर्ष 2020 में कोटा उत्तर और दक्षिण दो निगमों में बंटा था और दोनों जगह कांग्रेस ने बोर्ड बनाया था। उत्तर में कांग्रेस ने 47 और दक्षिण में 30 वार्ड जीते थे। दक्षिण में 14 निर्दलीयों ने जीत दर्ज की थी और कांग्रेस ने उनके समर्थन से बोर्ड बनाया था। इस बार एकीकृत निगम में भाजपा के सबसे बड़ी पार्टी बनने से पुराना समीकरण पलट गया है।

परबतसर में भाजपा प्रत्याशी को सिर्फ एक वोट

डीडवाना-कुचामन जिले की परबतसर नगर पालिका के वार्ड नंबर 13 का परिणाम भी चर्चा में रहा। यहां भाजपा प्रत्याशी कैलाश चंद को सिर्फ एक वोट मिला। प्रमुख राजनीतिक दल के प्रत्याशी को मिले इतने कम मतों ने स्थानीय राजनीति में चर्चाओं को जन्म दे दिया है।

क्रेशर प्लांट पर मजदूर बनकर छिपा था 25 हजार का इनामी तस्कर

जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन माहुरंगून' के तहत कार्रवाई करते हुए दो साल से फरार 25 हजार रुपए के इनामी तस्कर ब्रह्मालाल को महाराष्ट्र के नंदुरबार से गिरफ्तार किया है। आरोपी अपनी पहचान छिपाकर क्रेशर प्लांट पर मजदूर और ट्रैक्टर चालक बनकर रह रहा था। पुलिस से बचने के लिए उसने मोबाइल फोन का इस्तेमाल भी बंद कर दिया था।

एएनटीएफ आईजी विकास कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ब्रह्मालाल (50) निवासी आसींद जिला भीलवाड़ा है। आरोपी पर जोधपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक की ओर से 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

एएनटीएफ आईजी के अनुसार अनपढ़ ब्रह्मालाल बचपन से खेती-बाड़ी और मवेशी चराने का काम करता था। बाद में ट्रैक्टर और ट्रक चलाना सीखा तथा खुद का ट्रक खरीदकर किराए पर चलाने लगा। ट्रक की किश्तें नहीं चुका पाने के कारण आर्थिक तंगी में वह तस्करों के संपर्क में आया। इसके बाद ट्रक में अन्य सामान के साथ गांजा,

- **आर्थिक तंगी दूर करने के लिए शुरू की थी तस्करी, बाद में बना लिया धंधा**

डोडा-पोस्त और अफीम की तस्करी करने लगा। तस्करी से अधिक कमाई होने लगी तो उसने इसे ही अपना मुख्य धंधा बना लिया।

वर्ष 2024 में जोधपुर ग्रामीण के आसोप थाना पुलिस ने ब्रह्मालाल के ट्रक को डोडा-चूरा के साथ पकड़ा था। इसके बाद वह गांव छोड़कर फरार हो गया। फरारी के दौरान पहले गुजरात के सोनगढ़ स्थित क्रेशर प्लांट पर मजदूरी की। बाद में भीलवाड़ा के एक परिचित के माध्यम से महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले के डेकवड क्षेत्र में पहुंच गया। यहां करीब एक साल से पहचान छिपाकर क्रेशर प्लांट पर मजदूरी करने के साथ ट्रैक्टर चला रहा था।एएनटीएफ को नंदुरबार से मुखबिर के जरिए संदिग्ध व्यक्ति की गुप्त फोटो मिली। फोटो के आधार पर उसकी पहचान ब्रह्मालाल के रूप में हुई। इसके बाद विशेष टीम महाराष्ट्र पहुंची और गिट्टी खरीदार बनकर क्रेशर प्लांट की रेकी शुरू की।

'वकीलों को जान से मारने की धमकी देने वाले को तुरंत गिरफ्तार करें'

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने जयपुर पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा

जयपुर (कासं)। गोपालपुरा बाईपास से अवैध कोचिंग सेंटर्स हटवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राजदीपक रस्तोगी और एडवोकेट वीरेन्द्र अग्रवाल को जाने से मारने की धमकी मिलने के बाद राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने जयपुर पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव सोगरवाल और महासचिव दीपेश शर्मा की ओर से

- **गोपालपुरा बाईपास से अवैध कोचिंग सेंटर्स हटवाने का मामला**

पुलिस आयुक्त को भेजे गए पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि न्यायालय में विचाराधीन किसी प्रकरण को वापस लेने के लिए वकीलों और पक्षकारों को धमकाना न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। एसोसिएशन ने पुलिस कमिश्नर से मांग की है कि आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी और पीड़ित वकीलों को तत्काल पुख्ता पुलिस सुरक्षा मुहैया करवायी जाए।

एसोसिएशन ने चेताया है कि यदि इस गंभीर मामले में पुलिस ने तत्काल सख्त कदम नहीं उठाए, तो इससे न केवल संबंधित अधिवक्ताओं की सुरक्षा खतरे में पडेगी, बल्कि अदालतों में निडर होकर पैरवी करने वाले पूरे अधिवक्ता समुदाय में भारी असुरक्षा की भावना पैदा होगी। ज्ञात रहे कि गोपालपुरा बाईपास स्थित 10-बी स्कीम के महासचिव गोपाल लाल अग्रवाल ने शिप्रापथ थाने में जो एफआईआर दर्ज करायी है, उसमें आरोप लगाया है कि एलेन कोचिंग इंस्टीट्यूट जिस भवन में संचालित हो रहा है, उसके स्वामी रघुवीर सिंह डागुर ने धमकी दी है कि अगली तारीख पर सुप्रीम कोर्ट से केस वापस नहीं लिया तो गोपाल अग्रवाल, वीरेंद्र अग्रवाल और राजदीपक रस्तोगी को जान से मरवा दिया जाएगा।

ढोल-नगाड़े बजे, लेकिन जश्न की थाप फीकी रही

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगरीय निकाय चुनाव परिणामों को लेकर भाजपा मुख्यालय में जीत के जश्न की तैयारियां की गईं। मुख्यालय पर ढोल-नगाड़े और ढोल पार्टी पहुंची, लेकिन उम्मीद के मुताबिक कार्यकर्ताओं की भीड़ नहीं जुट पाई। नतीजों के शुरुआती रुझानों के साथ ढोल की थाप सुनाई देती रही, लेकिन दोपहर तक जश्न का माहौल फीका नजर आया। जीत की खुशी में जोरदार जश्न की तैयारी थी, मगर सीमित संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी के कारण ढोल-नगाड़ों की आवाज के बीच भी मुख्यालय पर वैसा उत्साह नजर नहीं आया, जिसकी पार्टी को उम्मीद थी।

मुख्यमंत्री ने की मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में पूजा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गणेश चतुर्थी पर जयपुर स्थित मोतीडूंगरी मंदिर में भगवान श्रीगणेश के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने मंदिर में सपत्नीक विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी के पर्व की शुभकामनाएं दी।

उदयपुर भूखंड घोटाला : फर्जी दस्तावेजों से लीज डीड बनवाने वाला आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। उदयपुर नगर निगम के बहुचर्चित भूखंड घोटाले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसओजी ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर नगर निगम से भूखंड की लीज डीड जारी करवाने और बाद में उसे बेचकर अवैध लाभ कमाने के आरोप में गुलाब सिंह राव (63) को गिरफ्तार किया है। इस मामले में एसओजी अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

आरोपी गुलाब सिंह राव

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि वर्ष 2004 में नगर विकास प्रन्यास (यूआईटी) उदयपुर से नगर निगम को हस्तांतरित किए गए भूखंडों में खाली और निरस्त पडे भूखंडों के फर्जी व कूटरचित दस्तावेज तैयार किए गए थे। इसके बाद षड्यंत्र पूर्वक नगर निगम उदयपुर से इन भूखंडों की लीज डीड जारी करवाई गई। मामले में सूरजपोल थाना उदयपुर में दर्ज प्रकरण की जांच चल रही है। एसओजी की जांच और पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी गुलाब सिंह निवासी राजसमंद हाल उदयपुर ने अन्य सह-अभियुक्तों के साथ मिलकर भूखंड हड़पने की साजिश रची। जांच के अनुसार आरोपी ने हिरण मगरी सेक्टर-5 स्थित भूखंड संख्या 674 के फर्जी दस्तावेज अपने मृतक पिता माधु सिंह राव के नाम से तैयार करवाए। इसके बाद इन्हीं कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर नगर निगम उदयपुर से अपने नाम लीज डीड जारी करवा ली। बाद में भूखंड को बेचकर अवैध लाभ कमाया। जुर्म प्रमाणित पाए जाने पर एसओजी ने आरोपी गुलाब सिंह को गिरफ्तार किया। एसओजी इस भूखंड फर्जीवाडे में अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

राजशाही पोशाक और स्वर्ण मुकुट में सजे नहर के गणेशजी

जयपुर। गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर अतिप्राचीन दाहिनी सूंड दक्षिण मुखी श्री नहर के गणेशजी महाराज मंदिर में सोमवार को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान हुए। इस अवसर पर प्रथम पूज्य गणेश जी महाराज को राजशाही पोशाक के साथ स्वर्ण मंडित मुकुट धारण करवाया गया। विशेष श्रृंगार में सजे गणपति के दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंचे और जन्मोत्सव का आनंद लिया।

मंदिर के युवाचार्य पं. मानव शर्मा ने बताया कि महंत पं. जय शर्मा के सान्निध्य में सुबह 5 बजे गणेश जी महाराज को राजशाही पोशाक धारण करवाई गई। इसके बाद स्वर्ण मंडित मुकुट पहनाकर मंगला आरती के साथ गणेश चतुर्थी उत्सव का शुभारंभ किया गया। इस दौरान गणपति का अभिषेक और विधिवत पूजन किया गया। उत्सव के दौरान गणेश जी महाराज को छप्पन भोग अर्पित किया गया। मंदिर में बैंड वादन के साथ धार्मिक माहौल बना रहा। बाद में आतिशबाजी भी की गई। राजशाही पोशाक और स्वर्ण मंडित मुकुट में सजे गणेश जी महाराज के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह नजर आया। भक्तों ने दर्शन कर पूजा-अर्चना की और बप्पा के जन्मोत्सव में भाग लिया।

जयपुर, जोधपुर और कोटा के 2 टुकड़े करने की कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति को जनता ने नकारा : मदन राठौड़

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश के 309 निकायों में चुनाव परिणामों में भाजपा मिले जनादेश पर प्रदेशवासियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जयपुर, जोधपुर और कोटा के 2 टुकड़े करने की कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति को जनता ने सिरे से नकारा है। राजधानी जयपुर और कोटा में भाजपा को बहुमत मिला है। जबकि जोधपुर में भाजपा-कांग्रेस की बराबर सीटों पर जीत हुई हैं।

मदन राठौड़ ने कहा कि पिछली बार जहां भाजपा के पास सीमित संख्या में निकाय थे, वहीं इस बार भाजपा ने अपने प्रदर्शन में उल्लेखनीय विस्तार किया है। गत वर्ष 2019-21 में जहां 5 महापौर भाजपा के पास थे, इस बार 90 प्रतिशत भाजपा को सफलता मिली है। इसी तरह नगर परिषद में पिछली बार 29.41 प्रतिशत सफल हुए थे ,जो इस बार 65.95 प्रतिशत हो गया। वहीं नगर पालिका में पिछली बार 32.23 प्रतिशत सीटें थी, जो इस बार 67.06 प्रतिशत हो गई।

उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़

परिणाम ने भाजपा के विकास पर मुहर लगाने का काम किया है। जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जनहितैषी योजनाओं को स्वीकारा है। अब पंचायत चुनाव में भी प्रदेशवासी भाजपा को अपना आशीर्वाद प्रदान करेंगे। राठौड़ ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि जो हमारी आलोचना करते थे वो हमसे दो तिहाई पीछे है। प्रेसवार्ता में भाजपा चुनाव प्रभारी हरीश द्विवेदी, सह प्रभारी रोहन गुप्ता, भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक और मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ उपस्थित रहे।

शहरों के बाद पंचायतों में भाजपा को जनता देगी जवाब : डोटासरा

जयपुर । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने निकाय चुनाव परिणामों को भाजपा सरकार के ढाई साल के कामकाज का आईना बताते हुए दावा किया कि भाजपा की कांग्रेस पर बढ़त एक प्रतिशत से भी कम रह गई है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेसवार्ता में डोटासरा ने कहा कि 2014-16 में भाजपा सरकार के दौरान भाजपा का वोट शेयर कांग्रेस से 8.12 प्रतिशत अधिक था, जबकि 2019-21 में कांग्रेस सरकार के समय कांग्रेस की भाजपा पर बढ़त 2.2 प्रतिशत थी। इस बार भाजपा की बढ़त एक प्रतिशत से भी कम रह गई।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने नियम विरुद्ध और मनमाना परिसीमन कराया। उन्होंने दावा किया कि परिसीमन को अलग रखकर देखा जाए तो कांग्रेस भाजपा से करीब 1500 वार्ड अधिक जीतती। उनके अनुसार 4097 भाजपा विजयी वार्डों में 1316 में जीत का अंतर 100 से कम और 772 में 50 से कम वोट रहा। 13 वार्ड भाजपा ने महज एक वोट से जीते। कांग्रेस ने 1316 वार्डों में पुनर्मतगणना की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस प्रत्याशी 200-300 वोटों से आगे होने वाले कुछ वार्डों के परिणाम भी रोके गए।

डोटासरा ने कहा कि 2023 विधानसभा चुनाव में 188 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा का वोट शेयर 42.41 प्रतिशत था, जो लोकसभा चुनाव में 50.14 प्रतिशत हुआ, लेकिन निकाय चुनाव में घटकर 35.3 प्रतिशत रह गया। एससी आरक्षित वार्डों में कांग्रेस ने 542 और भाजपा ने 350 वार्ड

जीते। एससी महिला वार्डों में कांग्रेस 261 और भाजपा 186 तथा एसटी महिला वार्डों में कांग्रेस 53 और भाजपा 39 वार्ड जीती। उन्होंने इसे भाजपा के संविधान और आरक्षण विरोधी रवैये का जवाब बताया। डोटासरा ने कहा कि अजमेर के 80 में कांग्रेस 37 और भाजपा 32 वार्ड जीती। पाली में कांग्रेस 29 और भाजपा 21 वार्ड पर रही। बीकानेर में कांग्रेस ने 80 में से 42 वार्ड जीतकर बोर्ड बनाने का दावा मजबूत किया। जोधपुर में कांग्रेस ने 45 और भाजपा ने 44 वार्ड जीते, जबकि वोट शेयर क्रमशः 42.7 और 39.8 प्रतिशत रहा।उन्होंने कहा कि जयपुर में कांग्रेस को भाजपा से 10 हजार से अधिक वोट मिले, लेकिन वार्ड भाजपा ने अधिक जीते। जयपुर के वार्ड 31 में 13,499 और वार्ड 135 में 32,272 मतदाता होने का उदाहरण देते हुए उन्होंने परिसीमन में नियमों की अनदेखी का आरोप लगाया। सांगानेर में कांग्रेस का वोट शेयर 38.8 और भाजपा का 35.9 प्रतिशत बताया। भरतपुर में भाजपा केवल 20 वार्ड जीत सकी।

विधानसभा-लोकसभा के बाद निकाय चुनाव में भी भाजपा की लहर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की रणनीति ने बदले सियासी समीकरण, प्रदेश में मिला भरपूर जनादेश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान के नगरीय निकाय चुनावों के नतीजों में भाजपा का दबदबा एक बार फिर नजर आया है। विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद अब निकाय चुनाव में भी भाजपा ने कई शहरों में अपनी स्थिति मजबूत की है। पार्टी की इस सफलता के पीछे

- **टिकट वितरण में पारदर्शिता से लेकर संभागवार वन-टू-वन संवाद और नगर निगमों में रोड शो तक-मुख्यमंत्री की चुनावी रणनीति का असर दिखा**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की चुनावी रणनीति, संगठन के साथ बेहतर तालमेल और टिकट वितरण में अपनाई गई पारदर्शी प्रक्रिया को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने चुनाव की शुरुआत से ही प्रत्याशी चयन को लेकर संगठन और स्थानीय कार्यकर्ताओं के फीडबैक को महत्व दिया। टिकट वितरण से पहले उन्होंने संभागवार

जयपुर समेत पूरे प्रदेश में भाजपा को निकाय चुनाव में मिले भरपूर जनादेश पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने हर्ष जताया।

नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ वन-टू-वन बैठकें कीं। इन बैठकों में स्थानीय राजनीतिक समीकरण, प्रत्याशियों की स्वीकार्यता, संगठन के प्रति सक्रियता और जमीनी स्थिति को लेकर फीडबैक लिया गया। इसका उद्देश्य ऐसे चेहरों को मैदान में उतारना रहा, जो अपने वार्ड में पार्टी को मजबूत स्थिति में पहुंचा सकें।

टिकट वितरण में पारदर्शिता पर जोर

निकाय चुनाव भाजपा के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण थे क्योंकि नगर निगम और नगर पालिकाओं के चुनाव सीधे तौर पर स्थानीय संगठन की ताकत और सरकार की लोकप्रियता का आकलन माने जाते हैं। टिकट वितरण के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी वर्गों और क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व देने के साथ जीतने की क्षमता को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। पार्टी के भीतर टिकट को लेकर दावेदारों की लंबी सूची के बावजूद मुख्यमंत्री ने अलग-अलग स्तर पर फीडबैक लेकर निर्णय प्रक्रिया को आगे बढाया। इससे पार्टी नेतृत्व को जमीनी स्तर पर संभावित प्रत्याशियों की स्थिति समझने में मदद मिली।

सभी निगमों में रोड शो से जोश भरा

चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के प्रमुख नगर निगम क्षेत्रों में रोड शो कर भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की। रोड शो के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों की मौजूदगी ने पार्टी के पक्ष में बने माहौल को और मजबूत किया। जयपुर में मुख्यमंत्री के रोड शो में कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह स्वागत, पुष्पवर्षा और भाजपा के पक्ष में नारेबाजी हुई। मुख्यमंत्री ने रोड शो के जरिए जहां आम मतदाताओं तक सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों का संदेश पहुंचाया, वहीं कार्यकर्ताओं को भी चुनावी मैदान में पूरी ताकत से जुटने का संदेश दिया।

'ट्रिपल इंजन' सरकार का दिया संदेश

भाजपा ने निकाय चुनाव में डबल इंजन सरकार के साथ ट्रिपल इंजन सरकार का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया। पार्टी ने मतदाताओं से अपील की कि राज्य और केंद्र में भाजपा की सरकार के साथ नगर निकायों में भी भाजपा का बोर्ड बनने से विकास कार्यों को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने अपने चुनावी संबोधनों में स्थानीय विकास, सड़क, सफाई, पेयजल, यातायात और शहरी सुविधाओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने निकायों को सरकार की विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

संगठन और सरकार के तालमेल का असर

निकाय चुनाव में भाजपा ने बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय किया। स्थानीय नेताओं, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां दी गईं। सरकार के स्तर पर विकास कार्यों और योजनाओं को मुद्दा बनाया गया, जबकि संगठन ने मतदाताओं तक पहुंचने और मतदान के दिन बूथ प्रबंधन पर फोकस किया।

विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में बने राजनीतिक माहौल को निकाय चुनाव तक बनाए रखना पार्टी के सामने बड़ी चुनौती थी। निकाय चुनाव के परिणामों से संकेत मिला है कि भाजपा का संगठनात्मक नेटवर्क और चुनावी मशीनरी स्थानीय स्तर तक सक्रिय बनी हुई है।

अब पंचायत चुनाव की तैयारी पर नजर

निकाय चुनाव के परिणाम भाजपा के लिए आगे की राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। अब पार्टी की नजर आगामी पंचायत चुनावों पर रहेगी। निकाय चुनाव में मिली सफलता के बाद भाजपा संगठन इसे ग्रामीण क्षेत्रों तक ले जाने की रणनीति पर काम कर सकता है। राजनीतिक तौर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के लिए भी ये परिणाम महत्वपूर्ण हैं।

विधानसभा चुनाव में सत्ता में वापसी, लोकसभा चुनाव के बाद निकाय चुनाव में मजबूत प्रदर्शन और अब स्थानीय सरकारों में पार्टी की पकड़ मजबूत करने की कवायद से भजनलाल शर्मा का नेतृत्व और संगठन के भीतर उनकी चुनावी रणनीतिक क्षमता मजबूत होती दिखाई दे रही है।

टिकट से लेकर प्रचार तक सीधी निगरानी

टिकट वितरण में संभागवार फीडबैक, दावेदारों से वन-टू-वन संवाद, संगठन के साथ समन्वय, सभी प्रमुख नगर निगम क्षेत्रों में रोड शो और 'ट्रिपल इंजन सरकार' का संदेश-भाजपा की पूरी चुनावी रणनीति कई स्तरों पर काम करती नजर आई। निकाय चुनाव के नतीजों ने साफ कर दिया कि विधानसभा और लोकसभा के बाद भी राजस्थान में भाजपा का संगठनात्मक प्रभाव और चुनावी लहर पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।